नईदुनिया

सुरक्षा ग्रुप ने जेपी इंफ्राटेक का किया टेकओवर, जल्द पूरा होगा 20,000 होमबायर्स का सालों पुराना सपना

नई दिल्ली।
आज 20,000 से ज्यादा होमबायर्स बड़ी राहत मिली। सुरक्षा ग्रुप ने जेपी इंफ्राटेक का अधिग्रहण कर लिया है। आपको बता दें कि जेपी इंफ्राटेक कर्ज में डूब गई थी। अब सुरक्षा ग्रुप के टेकओवर करने के बाद होमबायर्स को राहत मिलेगी।

उम्मीद है कि इस टेकओवर के बाद जल्द ही दिल्ली-एनसीआर में रुकी हुई आवास परियोजनाएं दोबारा शुरू हो जाएगी। प्रोजेक्ट को शुरू करने के लिए सुरक्षा ग्रुप अब 125 करोड़ रुपये का फंड लगाएगा।

यह अधिग्रहण दिवालिया अपीलीय न्यायाधिकरण के 24 मई के फैसले के बाद हुआ है। एनसीएलटी के फैसले में जेपी इंफ्राटेक के अधिग्रहण के लिए सुरक्षा रियल्टी की बोली को बरकरार रखा गया था, जबकि उसे किसानों के मुआवजे के रूप में अतिरिक्त 1,334 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। जेपी इंफ्राटेक द्वारा एक नियामक फाइलिंग के अनुसार सुरक्षा ग्रुप ने आईएमसी (कार्यान्वयन और निगरानी समिति) को सूचित किया कि 24 मई, 2024, यानी, एनसीएलएटी आदेश की तारीख को अनुमोदन तिथि के रूप में माना जाना चाहिए। आईएमसी ने हुई अपनी बैठक में गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में सुधीर वी वालिया की नियुक्ति को मंजूरी दे दी। बोर्ड ने कार्यकारी निदेशक के रूप में आलोक चंपक दवे और स्वतंत्र निदेशक के रूप में उषा अनिल कदम की नियुक्ति को भी मंजूरी दी। सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि सुरक्षा ग्रुप 15 जून तक जेपी इंफ्राटेक में 125 करोड़ रुपये का इक्विटी फंड लगाएगा और जल्द ही निर्माण प्रक्रिया शुरू करेगा। यह शेड्यूल के मुताबिक भुगतान करना भी शुरू कर देगा। एनसीएलटी ने बरकरार रखा अपना फैसला एनसीएलटी ने मार्च 2023 से अपने फैसले को बरकरार रखा। एनसीएलएटी ने 24 मई को कहा था। किसी भी देरी से बचने और सभी हितधारकों के हितों का ख्याल रखने के लिए यह निर्णय लिया गया था। एनसीएलटी ने घर खरीदारों और किसानों के अतिरिक्त मुआवजे के लिए यमुना एक्सप्रेस विकास प्राधिकरण का दावा किया। जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड के खिलाफ कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया अगस्त 2017 में आईडीबीआई बैंक के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम के एक आवेदन पर शुरू की गई थी।

न्यूज ब्रीफ

मारुति सुजुकी की एनर्जी सेक्टर में एंट्री, नवीकरणीय ऊर्जा प्रोजेक्ट में 450 करोड़ रुपये का करेगा निवेश

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया ने बताया कि वह सौर ऊर्जा और बायोगैस से जुड़ी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश करेगा। कंपनी ने तीन साल की अवधि में 450 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी ने वर्टिकल में 120.8 करोड़ रुपये का निवेश किया था। कंपनी ने एक बयान में कहा कि कंपनी वित्त वर्ष 2025 से शुरू होने वाले तीन वर्षों में इस निवेश को लगभग चार गुना बढ़ाकर 450 करोड़ रुपये तक पहुंचाएगी। मारुति सुजुकी के प्रबंध निदेशक और सीईओ हिसाशी टेकुची ने कहा कंपनी ने कहा कि उसने घरेलू खाद्य अपशिष्ट की अप्रयुक्त क्षमता का उपयोग करते हुए वित्त वर्ष 2025 में अपनी मानेसर सुविधा में एक पायलट बायोगैस प्लांट शुरू किया है। इस प्लांट को प्रतिदिन 0.2 टन बायोगैस का उत्पादन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। अनुमानित उत्पादन लगभग 1 लाख मानक घन मीटर बायोगैस है। इस बायोगैस प्लांट से प्रति वर्ष लगभग 190 टन सीओ2 की भरपाई होगी। कंपनी सौर कैपेसिटी को बढ़ाएगी कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 में अपनी सौर क्षमता को 43.2 मेगावाट तक विस्तारित किया। कंपनी ने कहा कि अगले दो वर्षों में अपने मानेसर प्लांट में 15 मेगावाट और आगामी खरखौदा प्लांट में 20 मेगावाट सौर क्षमता जोड़ने की राह पर है। इससे कुल सौर क्षमता बढ़कर 78.2 मेगावाट हो जाएगी। मारुति सुजुकि के शेयर तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। खबर लिखते वक्त कंपनी के शेयर 12,518.95 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे थे।

सोने और चांदी की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में सोने और चांदी कीमतें बढ़ी हैं। लोकसभा चुनाव के परिणाम के दूसरे दिन वायदा कारोबार में बढ़त रही। सुबह सोने के वायदा भाव 72 हजार रुपये जबकि चांदी के वायदा भाव 89,800 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव में तेजी दर्ज की गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध 80 रुपये बढ़कर 72,077 रुपये के भाव पर खुला। यहा 72,080 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 72,037 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव ने पिछले महीने 74,442 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल कर लिया था। इसे अलावा चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी बढ़कर हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध 239 रुपये की तेजी के साथ 89,898 रुपये पर खुला। यह अनुबंध 141 रुपये की तेजी के साथ 89,800 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 89,899 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 89,757 रुपये के भाव पर दिन निचला स्तर हासिल किया। पिछले महीने चांदी के वायदा भाव ने 96,493 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। लेकिन बाद में इसके भाव चढ़ गए। चांदी की शुरुआत तेज ही रही।

मॉयल का मैंगनीज अयस्क उत्पादन सात प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र मॉयल ने बताया कि अप्रैल-मई, 2024 के दौरान उसका मैंगनीज अयस्क उत्पादन सात प्रतिशत बढ़कर 3.05 लाख टन हो गया। मॉयल ने अपने बयान में कहा कि उसने एक साल पहले की समान अवधि में 2.84 लाख टन मैंगनीज अयस्क का उत्पादन किया था। कंपनी की कुल बिक्री 3.3 लाख टन की हुई, जो एक साल पहले की समान अवधि के 2.5 लाख टन से 32 प्रतिशत अधिक है। इस्पात मंत्रालय के तहत मॉयल देश में डाइऑक्साइड अयस्क की लगभग 46 प्रतिशत आवश्यकता को पूरा करती है। मौजूदा समय में मैंगनीज अयस्क का औसत वार्षिक उत्पादन लगभग 13 लाख टन है।

गूगल ने अपनी क्लाउड इकाई से 100 कर्मचारी हटाए, माइक्रोसॉफ्ट में भी जाएंगी नौकरियां

सैन फ्रांसिस्को।
गूगल के एक प्रवक्ता ने एक ईमेल बयान में कहा, हम अपने ग्राहकों की प्राथमिकताओं और आगे के महत्वपूर्ण अवसरों को पूरा करने के लिए अपने व्यवसाय का विकास जारी रखेंगे। हम उन क्षेत्रों में निवेश करने की अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखेंगे, जो हमारे व्यवसाय के लिए महत्वपूर्ण हैं और हमारी दीर्घकालिक सफलता सुनिश्चित करते हैं।

अल्फाबेट के स्वामित्व वाली गूगल कंपनी अपनी क्लाउड इकाई की कई टीमों में से कम से कम 100 कर्मचारियों की छंटनी करने जा रही है। सीएनबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, गूगल के आंतरिक पत्राचार में कहा गया है कि बिक्री, संचालन-इंजीनियरिंग, परामर्श और बाजार-रणनीति से जुड़ी कुछ अहम भूमिकाओं में चुनिंदा पदों में कटौती की गई है।

गूगल के एक प्रवक्ता ने एक ईमेल बयान में कहा, हम अपने ग्राहकों की प्राथमिकताओं और आगे के महत्वपूर्ण अवसरों को पूरा करने के लिए अपने व्यवसाय का विकास जारी रखेंगे। हम उन क्षेत्रों में निवेश करने की अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखेंगे, जो हमारे व्यवसाय के लिए महत्वपूर्ण हैं और हमारी दीर्घकालिक सफलता सुनिश्चित करते हैं। यह रिपोर्ट अप्रैल में विभिन्न टीमों में हुई बड़ी छंटनी के बाद आई है।

लागत में कमी के उपाय जारी - दिग्गज गूगल कंपनी लागत में कमी के उपायों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इस साल की शुरुआत में कंपनी ने अप्रैल में छंटनी का एक दौर अंजाम दिया, जिससे विभिन्न डिवीजनों में अनिर्दिष्ट संख्या में कर्मचारी प्रभावित हुए व लागत में कमी आई।

कंपनी में जारी समायोजन को उजागर करती है छंटनी - इसके अलावा, जनवरी में, आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच प्रौद्योगिकी व मीडिया क्षेत्रों में नौकरी में कटौती की व्यापक प्रवृत्ति के तहत कंपनी ने अपने सैकड़ों कर्मचारियों की संख्या में कमी की। गूगल के क्लाउड डिवीजन में ताजा छंटनी कंपनी में जारी समायोजन को उजागर करती है क्योंकि यह मौजूदा आर्थिक परिदृश्य को नेविगेट करती है।

माइक्रोसॉफ्ट ने अजूरे क्लाउड सेवा इकाई में शुरू की छंटनी - माइक्रोसॉफ्ट ने अजूरे क्लाउड सेवा इकाई में छंटनी शुरू कर दी है। एज्योर फॉर ऑपरेटर्स और मिशन इंजीनियरिंग समूहों में कटौती के साथ, कई टीमों की नौकरी में कटौती हुई है। एज्योर फॉर ऑपरेटर्स में छंटनी में 1,500 पदों तक शामिल होने की सूचना है। छंटनी के पीछे के विशिष्ट कारणों पर कंपनी ने सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं बताया है। पीड़ित कर्मचारी उस इकाई का हिस्सा हैं, जो क्लाउड कंप्यूटिंग में माइक्रोसॉफ्ट के विस्तार का अभिन्न अंग रहे हैं।

डेबिट-क्रेडिट कार्ड दो दिन नहीं काम करेंगे: एचडीएफसी बैंक

मुंबई। देश के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक ने अपने ग्राहकों को अलर्ट किया है और बताया है कि दो दिन उन्हें कार्ड का इस्तेमाल करने में दिक्कतें आ सकती हैं। एचडीएफसी बैंक ने इस बारे में सभी ग्राहकों को ईमेल और एसएमएस के जरिए अलर्ट किया है। बैंक की ओर से भेजे गए मैसेज में बताया गया है कि उसके क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और प्रीपेड कार्ड कुछ समय के लिए इस्तेमाल नहीं किए जा सकेंगे। उसके ये कार्ड बताई गई अवधि के दौरान ट्रांजेक्शन के लिए अनुपलब्ध रहने वाले हैं। एचडीएफसी बैंक ने कार्ड के अनुपलब्ध रहने का जो समय बताया है, वह बैंक का कहना है कि बताई गई समयावधि में उसके क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और प्रीपेड कार्ड के सिस्टम को अपग्रेड किया जाएगा। इसी कारण ग्राहक कार्ड का इस्तेमाल कर लेन-देन नहीं कर पाएंगे। इस अपग्रेडेशन से जिन ट्रांजेक्शंस पर असर होगा, उनमें एटीएम से पैसे की निकासी, पॉइंट ऑफ सेल मशीनों पर शॉपिंग के भुगतान, ऑनलाइन कार्ड ट्रांजेक्शन और नेटसेफ ट्रांजेक्शन शामिल हैं। ग्राहकों को इसके चलते कम से कम परेशानी हो, इसी कारण बैंक ने अपग्रेडेशन के लिए रात का समय चुना है, जब ग्राहक कार्ड का कम ही इस्तेमाल करते हैं।

हर 4 में से 3 बी2बी भारतीय मार्केटिंग लीडर्स जनरेटिव एआई का कर रहे इस्तेमाल : रिपोर्ट

नई दिल्ली।
हर चार में से तीन भारतीय बी2बी (बिजनेस टू बिजनेस) मार्केटिंग लीडर्स अपने काम के लिए जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एप्लीकेशन का इस्तेमाल कर रहे हैं।इससे उनका कंटेंट क्रिएशन 43 प्रतिशत तक, लागत 39 प्रतिशत तक किफायती करने और उत्पादकता 38 प्रतिशत तक बढ़ाने में सफलता मिली है। आई एक रिपोर्ट में ये जानकारी दी गई है।

प्रोफेशनल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म लिंक्डइन के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर पेशेवरों की ओर से अपनी प्रोफाइल में एआई स्किल जोड़ने में 142 गुना की बढ़ोतरी देखने को मिली है। इसमें मार्केटिंग पेशेवर टॉप पर है।

पिछले साल वैश्विक स्तर पर चीफ मार्केटिंग ऑफिसर (सीएमओ) का पद संभालने वाले लोगों की लिंक्डइन प्रोफाइल में एआई स्किल अन्य पेशों के मुकाबले बड़ी संख्या में जुड़ी है।

लिंक्डइन इंडिया में मार्केटिंग सॉल्यूशन के डायरेक्टर सचिन शर्मा का कहना है कि बी2बी एक काफी प्रतिस्पर्धा वाला क्षेत्र है। खरीदारों के बढ़ते प्रभाव के कारण मार्केटिंग करने वालों के लिए बड़े ग्रुप को टारगेट करना जरूरी हो जाता है। इससे ब्रांड की पहुंच बढ़ाने में सफलता मिलती है।

सर्वे में 2,000 से ज्यादा बी2बी मार्केट लीडर्स ने भाग लिया था

इसके अलावा रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में 76 प्रतिशत बी2बी सीएमओ प्रतिस्पर्धी मांगों के कारण खरीदारों तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। 94 प्रतिशत मार्केटिंग करने वाले लोगों ने माना है कि अच्छे संबंध से ही उनके बिजनेस में सफलता मिल सकती है।

93 प्रतिशत लोगों का मानना है कि आने वाले वर्ष में उनकी टीम अधिक आय हासिल कर सकती है। वहीं, 85 प्रतिशत लोगों का मानना है कि अब उन्हें बजट बढ़ाने की आवश्यकता है।

कच्चे तेल की कीमतों में 4 डॉलर प्रति बैरल की गिरावट से भारत को होगा फायदा

नई दिल्ली।
अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में 4 डॉलर प्रति बैरल से अधिक की गिरावट आई है। अब यह चार महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई है। ऐसा ओपेक प्लस द्वारा इस वर्ष उत्पादन में वृद्धि की अनुमति देने के बाद हुआ है। अमेरिका में पहले से ही कच्चे तेल का भंडार काफी ज्यादा है।अगस्त के लिए बेंचमार्क ब्रेंट ऑयल वायदा 77.50 डॉलर पर आ गया। डब्ल्यूटीआई (वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट) पर जुलाई के कच्चे तेल का वायदा 73.22 डॉलर पर था। 7 फरवरी के बाद पहली बार तेल की कीमतें 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आई हैं। यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा संकेत है। देश अपनी जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है और तेल की कीमतों में गिरावट से देश के आयात बिल में कमी आएगी। इससे चालू खाता घाटा (सीएडी) कम होगा और रुपया मजबूत होगा। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से घरेलू बाजार में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी के दाम भी कम होते हैं, जिससे देश में मुद्रास्फीति में कमी आती है। सरकार ने यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर पश्चिमी दबावों के बावजूद तेल कंपनियों को रियायती कीमतों पर रूस से कच्चा तेल खरीदने की अनुमति देकर देश के तेल आयात बिल को कम करने की कोशिश की है। रूस अब भारत को कच्चे तेल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया है। इसने इराक और सऊदी अरब की जगह ली, जो पहले शीर्ष स्थान पर थे। आईसीआरए की एक रिपोर्ट के अनुसार, रूस से तेल आयात की कीमत वित्त वर्ष 2023 और वित्त वर्ष 2024 के 11 महीनों में खाड़ी देशों की तुलना में 6.4 प्रतिशत और 15.6 प्रतिशत कम थी। रूस से सस्ता तेल खरीदना जारी रखने की भारत की रणनीति के चलते वित्त वर्ष 2022-23 के पहले 11 महीनों के दौरान देश के तेल आयात बिल में लगभग 7.9 बिलियन डॉलर की बचत हुई थी।

महाराष्ट्र में अंबानी ने लीज पर ली जमीन, बनाएंगे ग्लोबल इकोनॉमिक हब

नई दिल्ली।
मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) ने कहा कि उसकी स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों ने महाराष्ट्र में एक ग्लोबल इकोनॉमिक हब बनाने के लिए 3,750 एकड़ भूमि की सब-लीज डीड का पंजीकरण कराया है।

बीएसई को भेजी सूचना में बताया गया है कि आरआईएल की स्वामित्व वाली कंपनियों ने नवी मुंबई आईआईए प्राइवेट लिमिटेड से 13,400 करोड़ रुपए में 43 साल के लिए विकास अधिकारों के साथ करीब 3,750 एकड़ भूमि के सब-लीज डीड से जुड़ी सभी कार्यवाही पूरी कर ली हैं। नवी मुंबई आईआईए प्राइवेट लिमिटेड में (शहर एवं औद्योगिक विकास निगम) सिडको की 26फीसदी हिस्सेदारी है। सिडको नवी मुंबई के लिए सरकार की नगर नियोजन एजेंसी है।

कंपनी ने कहा है कि महाराष्ट्र औद्योगिक नीति, 2013 के अनुसार सब लीज पर दी गई इस भूमि का इस्तेमाल एकीकृत औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने के लिए किया जाएगा। फरवरी 2018 में ग्लोबल इकोनॉमिक हब तैयार करने के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ समझौता किया गया था।

2018 में आयोजित मैग्नेटिक महाराष्ट्र कार्यक्रम में अंबानी ने कहा था, आरआईएल महाराष्ट्र में चौथी औद्योगिक क्रांति के लिए भारत का पहला औद्योगिक क्षेत्र बनाएगा और इस पर अगले 10 साल में वैश्विक कंपनियों की भागीदारी से 60,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश किया जाएगा।

2019 में आरआईएल ने अपनी स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के जरिये करीब 4,000 एकड़ की सब लीज भूमि के लिए नवी मुंबई एसईजेड (एनएमएसईजेड) के साथ समझौता किया था। एक विज्ञप्ति में आरआईएल ने कहा कि हजीरा, जामनगर और दहेज में बड़े एकीकृत औद्योगिक परिसर तैयार करने, हरियाणा के झज्जर जिले में एकीकृत स्मार्ट सिटी और मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्पलेक्स में एक आधुनिक कन्वेंशन सेंटर और आधुनिक ऑफिस बनाने का उसका रिकॉर्ड रहा है।

देश में खाद्यान्नों का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ इन अनाजों की पैदावार में हुई भारी बढ़ोतरी

नई दिल्ली।
खाद्यान्न उत्पादन 2023-24 में 3,288.52 लाख टन होने का अनुमान है, जो पिछले पांच वर्षों (2018-19 से 2022-23) के औसत खाद्यान्न उत्पादन 3,077.52 लाख टन से 211 लाख टन अधिक है। कृषि मंत्रालय ने तीसरे अग्रिम अनुमान में बताया कि हालांकि 2022-23 की तुलना उत्पादन में मामूली कमी आई है। मंत्रालय ने 2023-24 में अनियमित मानसून को अनाज उत्पादन में गिरावट का कारण बताया है जिससे कुछ फसलें प्रभावित हुई थीं। हालांकि, विशेषज्ञों के अनुसार, यह तथ्य कि कुल उत्पादन पांच साल के औसत से अधिक है, देश के कृषि क्षेत्र में लचीलापन दर्शाता है।

चावल-गेहूं का उत्पादन बढ़ा

तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, 2023-24 में कुल चावल उत्पादन 1,367.00 लाख टन होने का अनुमान है, जबकि 2022-23 में यह 1,357.55 लाख टन था। गेहूं का उत्पादन 1,129.25 लाख टन होने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष के इसी आंकड़े की तुलना में 23.71 लाख टन अधिक है। श्री अन्न (बाजरा) का उत्पादन 174.08 लाख टन होने का अनुमान है, जो 2022-23 की तुलना में 87 हजार टन की मामूली वृद्धि को दर्शाता है। पोषक/मोटे अनाज का उत्पादन 547.34 लाख टन अनुमानित है, जो पांच साल के औसत उत्पादन की तुलना में 46.24 लाख टन अधिक है।

दलहनों का उत्पादन बढ़ा वर्ष के दौरान दलहनों का उत्पादन बढ़ा है। तुअर का उत्पादन 33.85 लाख टन अनुमानित है, जो 2022-23 में 33.12 लाख टन की तुलना में 0.73 लाख टन अधिक है। मसूर का उत्पादन 17.54 लाख टन अनुमानित है, जो पिछले वर्ष के 15.59 लाख टन की तुलना में 1.95 लाख टन अधिक है। सोयाबीन का उत्पादन 130.54 लाख टन, और रेपसीड तथा सरसों का उत्पादन 131.61 लाख टन अनुमानित है, जो पिछले वर्ष के उत्पादन की तुलना में 5.18 लाख टन अधिक है। आंकड़ों के अनुसार, कपास का उत्पादन 325.22 लाख गांठ (प्रत्येक 170 किलोग्राम) और गन्ने का उत्पादन 4425.22 लाख टन होने का अनुमान है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उछाल आया है। कीमतों में ये बदलाव लोकसभा चुनाव परिणाम के दूसरे दिन ही आया है। सरकारी तेल कंपनियां दर दिन सुबह 6 बजे पेट्रोल-डीजल की कीमतों को तय करती हैं क्योंकि ये कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड (कच्चे तेल) की कीमतों पर निर्भर करती हैं। क्रूड ऑयल की कीमतों में आये बदलाव से देश में भी तेल की कीमतों में बदलाव आया है। देश की राजधानी दिल्ली समेत अन्य महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है पर चेन्नई में तेल की कीमतों में 23 पैसे की हल्की बढ़ोतरी आई है। चारों महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल के दाम 94.72 रुपये, तो वहीं डीजल के दम 87.62 रुपये प्रति लीटर हैं। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर है. कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल की कीमत 90.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.98 रुपये जबकि डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है वहीं अन्य शहरों की बात करें तो नोएडा में पेट्रोल 94.66 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर। गुरुग्राम: पेट्रोल 95.05 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.91 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद: पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर, जयपुर: पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल- 462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01,-03, फैक्स नं.- 0755-2553914 e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) रजिस्टर्ड नं.म.प्र./296/भोपाल/2012-2014 आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, डाक पंजीयन क्र. म.प्र./भोपाल/296/2015-2017